ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-५३
दिनांक-मंगलवार,२४ जुलाई, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.७ एवं २६.७ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८२ सुबह में एवं दोपहर में ६६ प्रतिशत, हवा की औसत गति १२.४ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.८ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.७ एवं दोपहर में ३२.३ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेद्यशाला में १.० मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२५ से २८ जुलाई, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २५ से २६ जुलाई, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- अगले २४ घंटों में पश्चिमी चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, सीतामढ़ी, शीवहर, मधुबनी जिलों में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। मैदानी भागों के जिलों में अधिकत्तर स्थानों में हल्की वर्षा होने का अनुमान है, हालाकि इन जिलों के कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा हो सकती है। इसके बाद (२४ घंटों के बाद) पूर्वानुमानित अवधि में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३२ से ३४ डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान २६ से २८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन ८ से १२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से २५ जुलाई में पूरवा हवा तथा उसके बाद पछिया हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ६५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए एवं सिंचाई की उपलब्धता के अनुसार धान की रोपनी नीचली जमीन में करें। मध्यम अवधि की धान की किस्मों के लिए कदवा के समय ३० किलो ग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ४० किलोग्राम पोटाश तथा अगात किस्मों के लिए २५ किलो ग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोगाम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें। रोपे हुए धान की फसल में खरपतवार निकालने का कार्य करें।
- खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करें। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें।
- बोड़ा (लोबिआ) की बुआई किसान भाई इस माह के अंत तक कर ले। *पूसा बरसाती, पूसा दो फसली, पूसा कोमल नरेंद्र लोबिआ-१, सिलेक्शन- २६३* किस्में उतर बिहार के लिए अनुशंसित है। बीजदर २०-२५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बुआई की दूरी ६०X४५ से०मी० रखें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद *पंत मिर्च-३, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल* तथा संकर किस्में *अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी०एस०एस०-२६७* अनुशंसित है। उन्नत किस्मों के लिए बीज दर १ से १.५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा २०० से ३०० ग्राम संकर किस्मों के लिए रखें। क्यारियों की चौड़ाई एक मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार ३-४ मीटर रखें। बीज को गिराने से पूर्व थीरम ७५ प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- ऊचास जमीन में खरीफ मूंग एवं उरद की बुआई करें। खेत की जुताई में २० किलो ग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फूर, २० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए एच०यू०एम०-१६ तथा उरद के लिए पंत उरद-१६, पंत उरद-३१, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम २.५ ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर २०-२५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी ३०X१० से०मी० रखें।
- अरहर की *बहार, पूसा ६, नरेंद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१* आदि किस्मो की बुआई तथा मिश्रीकन्द की *राजेन्द्र मिश्रीकन्द १ एवं राजेन्द्र मिश्रीकन्द २* किस्मो की बुआई ऊचास जमीन में करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३२.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.२ अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २७.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.० अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी